राजीविका

एक नज़र में

राजीविका

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्

एमकेएसपी परियोजना के तहत डेयरी की स्थापना

राजीविका स्वयं सहायता समूहों ने ग्रामीण अंचल में रह रहे निर्धन वर्ग के परिवारों के जीवन में कई सकारात्मक बदलाव लाए हैं। स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से मिलने वाले ऋण की मदद से सदस्य महिलाएं आजीविका अर्जन हेतु नए व्यवसाय स्थापित कर अपनी आर्थिक दशा सुधारने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसी क्रम में झालावाड़ के पिड़ावा ब्लॉक के पिड़ावा क्लस्टर के रामपुरिया गांव में एमकेएसपी परियोजना के अंतर्गत समूह सदस्य सुनीता बाई को आजीविका बढ़ाने के लिए समूह से ऋण प्राप्त हुआ। उन्होंने " जय माता डेयरी " की शुरुआत की, जिसका उद्घाटन रामपुरिया के अध्यक्ष महोदय एवं मैनेजर फाइनेंस (डीएमपीयू) के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में राजीविका स्टाफ , सीएलएफ स्टाफ, समूह सदस्य मौजूद रहे सभी सदस्यों से उपलब्ध दुग्ध डेयरी पर दूध विक्रय करने के लिए आग्रह किया गया, जिससे इस कोरोना विपत्तिकाल में सभी पाठशाला सदस्यों की आजीविका में निरंतर वृद्धि हो सके।

जोधपुर जिले में डिजीपे सखी के लिए रजिस्ट्रेशन एवं बायोमिट्रिक मशीनों के वितरण हेतु शिविर का आयोजन किया गया।

NRETP

राष्ट्रीय ग्रामीण आर्थिक परिवर्तन परियोजना

एनआरईटीपी परियोजना से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति हो रही बेहतर

एनआरईटीपी परियोजना के अंतर्गत अब तक सैकड़ों परिवारों ने अपनी आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार किया है। इसी क्रम में, बांसवाड़ा जिले के आनंदपुरी ब्लॉक में एसएचजी महिलाओं ने एनआरईटीपी (NRETP) द्वारा गठित उत्पादक समूहों (PG) के माध्यम से राजसमंद जिले के देवगढ़ ब्लॉक से सिरोही नस्ल के बकरे और बकरियां खरीदी। पशुओं की नस्ल सुधार और आय सृजन के उद्देश्य के साथ एसएचजी सदस्य महिलाओं ने स्वयं सहायता समूह से ऋण लिया और पशुओं की खरीद की। इससे सीएलएफ और उत्पादक समूह की आय में भी वृद्धि हुई है, और यह गतिविधि लंबे समय तक बेहतर आर्थिक स्थायित्व के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी।

एसएचजी महिलाओं द्वारा कुल 66 पशुओं की खरीद की गई , जिनमें 26 बकरियां और 40 बकरे शामिल थे। कुल बिक्री राशि 3, 20, 331 रुपये रही। बांसवाड़ा और राजसमंद ब्लॉक, सीएलएफ, जिला और एसपीएमयू टीम ने NRETP परियोजना के तहत PG के माध्यम से "लाइव बॉडी वेट बक मार्केटिंग" की शुरुआत की है जो कि राजीविका की एक बड़ी पहल है।

बांसवाड़ा जिले के गढ़ी ब्लॉक में एसएचजी महिलाओं ने NRETP द्वारा गठित उत्पादक समूह (PG) के माध्यम से राजसमंद जिले के देवगढ़ ब्लॉक से सिरोही नस्ल की बकरे और बकरियां खरीदी। कुल 100 पशुओं की खरीद हुई, जिनमें 6 बकरियां और 94 बकरे शामिल थे जिनका कुल वजन – 2176.2 किलोग्राम था और उनकी बिक्री से कुल 5, 42, 774 रुपये की राशि प्राप्त हुई।

प्रतापगढ़ जिले के प्रतापगढ़ ब्लॉक की SHG महिलाओं ने NRETP के तहत गठित उत्पादक समूह (PG) के माध्यम से राजसमंद जिले के देवगढ़ ब्लॉक से सिरोही नस्ल की 69 बकरियां और 61 बकरों की खरीद की। खरीदे गए 130 पशुओं के शरीर का कुल वजन 2685.8 किलोग्राम था और बिक्री राशि 6, 57, 212 रुपये रही।

सशक्त हैं हम

तारा देवी गांव सलदरी के बाघपुर नारी शक्ति सीएलएफ के आशीष विशेष योग्यजन समूह की सदस्य है। वे साल 2017 से समूह में जुड़ी हुई हैं। तारा देवी और उनके पति दिव्यांग हैं। तारा देवी ने समूह से ऋण लेकर आटा चक्की लगाई है और आज वे प्रतिदिन 500 से 700 रूपए तक की आय सृजन करने में सक्षम हैं। वे समूह से लिए गए ऋण की हर किस्त का समय पर भुगतान कर रही हैं । उनके पति शिवलाल किराने की दुकान कर रहे हैं और इससे उन्हें 1000 रूपए तक की आय हो जाती है।

दोनों दिव्यांग होने के बावजूद स्वयं अपने पैरो पर खड़े हुए हैं, और पूरी तरह से आत्मनिर्भर हैं। समुह में जब तारा देवी को जोड़ा गया था तब उनकी हालत अत्यंत खराब थी, उनका घर भी कच्चा था। आज वे अपने पक्के घर में रह रहे हैं। तारा देवी और उनके पति ने ऋण लेकर सामान लाने के लिए गाडी खरीदी है। शिवलाल खुद ही गाडी चलाते हैं और अपनी दुकान के लिए जरुरी सामान लाने के लिए इसका इस्तमाल करते हैं।

MKSP परियोजना से एसएचजी सदस्यों को मिली आर्थिक समृद्धि

MKSP परियोजना के तहत बांसवाड़ा जिले के सज्जनगढ़ ब्लॉक के 2 सीएलएफ में शामिल 6 गांवों में 40 एसएचजी सदस्यों को 1200 चूजों (गिरिराज और कड़कनाथ नस्ल) का वितरण किया गया। एसएचजी सदस्यों ने आय सृजन के उद्देश्य से स्वयं सहायता समूह से ऋण लेकर अपने लिए नए आजीविका के साधन विकसित करने की दिशा में कदम उठाया है।

रविवार हाट में बकरों की बिक्री

MKSP परियोजना के तहत झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक में MKSP में शामिल 30 परिवारों ने 49 बकरों की बिक्री की। रविवार हाट में परिवारों ने पशुओं की बिक्री कर कुल 2,77,476 रुपये का कारोबार किया, जिससे राजीविका एसएचजी सदस्यों को अतिरिक्त आय हुई।

उपलब्धियाँ

राजीविका प्रगति		
क्रम सं	गतिविधि	प्रगति
1	कुल ब्लॉको मे परियोजना विस्तार	295
2	कुल ग्रामो मे प्रवेश	22136
3	स्वयं सहायता समूह गठन	177132
4	कुल परिवारो की सख्यां	2061190
5	समूह के बैंक में खाते	148516
6	ग्राम संगठन गठन	12423
7	कलस्टर लेवल फेडरेशन	434
8	रिवॉल्विंग फंड @Rs 15000/SHG	131692
9	आजीविका संवर्धन राशि (Livelihood Fund)@Rs 50000/SHG	84280
10	बैकों के माध्यम से ऋण प्राप्त समूह (Fresh)	73609
11	बैको के माध्यम से ऋण प्राप्त समूह (Repeated)	31618

खबरों में राजीविका

पत्रिका चूरू

12

परिश्रम से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाए कदम : उद्घाटन के पहले ही दिन दो लाख का माल बेचा

चूरू की महिलाओं की नमकीन उद्योग में धमाकेदार दस्तक

यह प्रोडक्ट होता है तैयार

लंबी उड़ान के लिए तैयार महिलाएं

जुड़ती गई कड़ी से कड़ी

55 प्रकार की वस्तुएं बनवाई

यह मशीनें लगी मिलीं

आगे क्या...

दूसरे दिन भी कई जगह हुई बारिश, पानी भराव से आवाजाही बाधित

अब टिड्डियों को रोकेंगी इंग्लैंड से आने वाली विशेष मशीनें

टिड्डी प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर जाने हालात

स्वरोजगार से जोड़ने को शिविर

सिरोही. पिण्डवाड़ा में मनरेगा उन्नति प्रोजेक्ट के तहत गुरुवार को शिविर का आयोजन किया गया।इसमें राजीविका के जिला प्रबंधक लालचन्द धाकड़ ने बताया कि मनरेगा में 100 दिन का रोजगार पूर्ण कर चुके श्रमिकों को आरसेटी, आएसएलडीसी और कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ने के लिए पंचायत समितियों में शिविर लगाए जा रहे हैं। श्रमिकों का पंजीकरण किया जा रहा है। आरसेटी सिरोही के निदेशक मूलाराम राठौड़ ने विभिन्न प्रशिक्षण ट्रेड की जानकारी दी। पंचायत समिति में मनरेगा एमआईएस मैनेजर महर्षि वशिष्ठ ने मनरेगा के तहत अपना खेत अपना काम योजना की जानकारी देकर पात्र परिवारों को आवेदन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आरसेटी के अनुदेशक अजय रावत, कार्यालय सहायक गोविन्द सिंदल आदि उपस्थित थे।

महिलाएं जागरूक हो लें लाभ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

प्रतापगढ़. ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की ओर से संचालित राजीविका के ब्लॉक प्रतापगढ में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को कृषि विज्ञान केन्द्र की ओर से महिलाओं को 4-4 किलो उड़द के बीज का वितरण किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रभारी योगेश कन्नोजिया, रमेश डामोर व राजीविका के जिला परियोजना प्रबन्धक दिनेश पारीक, जिला प्रबन्धक दीपक चौबीसा, संजय दखानी व ब्लॉक परियोजना प्रबन्धक किशनलाल बुनकर ने महिलाओं को आधुनिक तरीकों से कृषि कार्य करने तथा कम लागत में अधिक पैदावार उत्पन्न करने के लिए प्रेरित किया।

राजीविका

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्